में "बं ालिंग इन ट्राइबल स्कीम अलेज्ड" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है जो जनजातियों के विकास संबंधी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के बारे में है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ; और

(ग) इस मामले में सरकार द्वारा क्या प्रभावकारी कदम उठाए गए हैं ?

कल्याण मंत्रालय में उपमंत्री (श्रीमती सुमति ओरांव) : (क) जी हां ।

(ख) और (ग) पांचवीं योजना के प्रारम्भ से ही अनुसूचित जनजातियों के विकास के लिए आदिवासी उप योजना नीति प्रमुख साधन रही है । इस नीति के अंतर्गत आदिवासी क्षेत्र विकास पर अधिक महत्व दिया जाता रहा है । छठी योजना के दौरान, 28.30 लाख आदिवासी परिवारों के लक्ष्य के मुकाबले 39.67 लाख आदिवासी परिवारों को आर्थिक सहायता दी गई। सातवीं योजना में 40 लाख आदिवासी परिवारों का लक्ष्य है तथा जनवरी, 1988 के अन्त तक 27 लाख आदिवासी परिवारों को आर्थिक सहायता दी गई है ।

आदिवासी विकास के लिए निर्धारित धनराशियों को अन्य प्रयोजनों में अपवर्तन के लिए बजटीय प्रक्रिया की व्यवस्था की गई है । आदिवासी विकास कार्यक्रमों की योजना बनाने और उनके कार्यान्वयन पर निगरानी रखने के लिए राज्यों में परियोजना स्तर से राज्य स्तर तक अलग से मशीनरी है ।

Price of Sagar

2511. SHRI GURUDAS DAS GUPTA; Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pieased to refer to Starred Question 62 given in the Rajya Sabha on the 26th February, 1988 and state what is the cost of the imported sugar per unit and its selling price through distribution channels?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI D. L. BAITHA): The C.I.F, price of sugar imported during April—December, 1987 works out to about Rs. 2919 per M.T. (Prov.). The State Governments are supplied imported sugar at Rs, 540/- per a.uin-tai (inclusive of local levies) so as tb enable them to distribute the same to the consumers through controlled channels at a price below Rs. ?/- per Kg.

दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा समयपुर में वैकल्पिक भूखंडों का आवंटन

2512. श्री सत्य प्रकाश मालवीय : क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली विकास प्राधिकरण ने उन सभी व्यक्तियों को वैकल्पिक भूखंडों का आवंटन कर दिया है जिनकी जमीन उत्तरी दिल्ली में समयपुर में अर्जित की गई थी यदि नहीं, तो उन्हें कब तक भूखंड आवंटित कर दिये जाने की संभावना है ;

(ख) दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा मई, 1987 से आज तक कितने व्यक्तियों को प्राथमिकता के आधार पर बिना बारी के मकानों का आवंटन किया गया है और उन आवंटितियों के नाम तथा व्यवसाय संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ग) 1987 में दिल्ली विकास प्राधिकरण के कितने कर्मचारियों/अधिकारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतें प्राप्त हुई और प्रारम्भिक जांच के बाद कितनी शिकायतें सही पायी गयीं और इस संबंध में की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है ?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री दलबीर सिंह) : (क) से (ग) सूचना एकत्र की जा रही है तथा सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

Advancement and potential of Video Technology

2513. SHRIMATi AMRITA PRITAM: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the advancement of the Video Technology;

(b) whether Government have any Plan for its use towards national integration; and

(c) if so, what role has the private sector been given to fully use this potential?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI H. K. L. BHAGAT): (a) Yes, Sir,

(b) and (c) The activities connected with film-making are maindy in the private sector in India. Many filmmakers are now making films in the video format!. In addition, films made on celluloid are being transferred to video. Besides expansion of Doordarshan has already given a great fillip to the application and use of video technology. The private sector has a significant share in all these activities. A large number of programmes produced by Doordarshan itself, or, on its behalf, by film-makers are on theme of national integration, secularism and democracy, among various other subjects

सूर्यमुखी के बीजों का आयात

2514. श्री रशीद मसूद :
श्री अजीत सिंह :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले वर्ष के दौरान सोवियत संघ से सूर्यमुखी के बीजों का आयात किया गया था ;

(ख) यदि हां, तो कितनी मात्रा में बीजों का आयात किया गया और इनका मूल्य क्या था ; और

(ग) क्या यह भी सच है कि उन बीजों को आयातित करने का परिवहन-प्रभार उनके मूल्य से कई गुना अधिक था और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री (श्री हरि कृष्ण शास्त्री) : (क) और (ख) जी हां, केन्द्रीय सरकार ने पिछले वर्ष सोवियत संघ से सूरजमुखी बीजों की "उन्नत पेरेदोविक" किस्म का 35 मिट्रिक टन आयात किया था । इन बीजों की कीमत रु. 3.27 लाख थी ।

(ग) जी हां । हवाई जहाज द्वारा इन्हें लाने पर 15.75 लाख रु. खर्च हुए । इन बीजों की 86–87 के रबी के मौसम में जांच की गई थी तथा मई, 1987 में इसके संवर्धन के लिए अनुमति दे दी गई थी । 87 के खरीफ के मौसम में ही बीजों के संवर्धन के लिए बीजों को हवाई जहाज से लाया गया ताकि उसकी बुआई का एक मौसम बेकार न जाये । अगर इन बीजों को समुद्र के रास्ते लाया जाता तो उनके भारत पहुंचने में देर होती और 87 के खरीफ के मौसम में उनके संवर्धन में देरी हो जाती ।

Rehabilitation of District Central Cooperaive Banks in UP

2515. SHRI N E. BALARAM; Will the Minister of AGRICULTURE be pleased *to* state:

(a) whether 17 District Central Co-operative Banks in U.P. have been identified as weak and the National Bank for Agriculture and Rural Development has agreed to "rehabilitate" only two of them by providing finance amounting to Rs. 150 crores; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SHYAM LAL YADAV); (a) Out of 57 District Central Cooperative Banks (DCCBs) in Uttar Pradesh 28 DCCBs were weak as on 30th June, i986 Rehabilitation programm$_e$ has been taken Up in thirteen weak DCCBs.